



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 5]
No. 5]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 2, 1996/पौष 12, 1917
NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 2, 1996/PAUSA 12, 1917

भारतीय रिजर्व बैंक
(विदेशी मुद्रा नियंत्रण विभाग)

अधिसूचना

बम्बई, 31 अक्टूबर, 1995

सं० फैरा 169/95-आरबी

भारतीय कंपनी के संस्था के बहिर्नियम और अंतर्नियम पर हस्ताक्षर करने की अनुमति

सा० का० नि० 7(अ).—विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 19 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) के साथ पठित धारा 29 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के अनुसरण में रिजर्व बैंक दिनांक 26 अप्रैल, 1993 की अपनी अधिसूचना सं० फैरा 143/93-आरबी को तत्काल प्रभाव से निम्नलिखित रूप में संशोधित करता है :—

उक्त अधिसूचना में शर्त (ii) को निम्नलिखित से प्रतिस्थापित किया जाएगा ।

“(ii) उक्त कंपनी कृषि अथवा बागानी से संबंधित कार्यकलाप में नहीं लगा हुआ है” ।

[फा०सं० 10/54/95-एन०आर०आई०]

आर० व्ही० गुप्ता, उप-गवर्नर ”

RESERVE BANK OF INDIA
(Foreign Exchange Control Division)
NOTIFICATION

Bombay, the 31st October, 1995

NO. F.E.R.A. 169/95-RB

Permission for subscribing to the Memorandum and Articles of Association of an Indian Company

G.S.R. 7(E).—In pursuance of clause (b) of sub-section (1) of Section 29 read with clause (d) of sub-section (1) of

Section 19 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973), the Reserve Bank is pleased to amend its Notification No. F.E.R.A. 143/93-RB dated 26th April, 1993 with immediate effect as under :—

In the said Notification, the condition (ii) shall be substituted by the following, namely :—

"(ii) such company is not engaged in any activity relating to agriculture or plantation."

[F.No. 10/54/95-NRI]

R.V. GUPTA, Deputy Governor

अधिसूचना

बम्बई, 31 अक्टूबर, 1995

सं० पैरा 170/95-आरबी

विदेशी कंपनी द्वारा शेयर बाजार के माध्यम से प्रत्यावर्तन अधिकार सहित शेयर/बांड/डिबेंचर की बिक्री और अन्तरण

सा० का० नि० 8(अ).—रिजर्व बैंक की नियमों में ऐसा करना जनहित में आवश्यक और समीचीन है, अतः वह विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 19 की उप-धारा (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 26 अप्रैल, 1993 की अपनी अधिसूचना सं० पैरा 150/93 में निम्नलिखित रूप में तत्काल प्रभाव से संशोधन करता है :—

उक्त अधिसूचना में—

(i) आरंभिक पैरा में....."किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा जो भारत का नागरिक है अथवा भारतीय मूल का व्यक्ति है और भारत से बाहर रहता है शब्द के बाद निम्नलिखित शब्द अर्थात्

"अथवा कोई विदेशी कंपनी निकाय" जोड़े जाएंगे।"

(ii) स्पष्टीकरण II के बाद नया स्पष्टीकरण अर्थात् :

"(iii) विदेशी कंपनी निकाय का अभिग्राह्य: अनिवासी भारतीयों की वर्चस्व वाली किसी विदेशी कंपनी, भागीदारी फर्म, सोसायटी और कंपनी निकाय से है जिन पर उनका प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से न्यूनतम 60 प्रतिशत सीमा तक स्वामित्व हो तथा इसमें विदेश स्थित ऐसा न्यास भी शामिल है जिसमें अनिवासी भारतीयों का प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से, लेकिन अविकल्पी रूप में, न्यूनतम 60 प्रतिशत का लाभदायी हित हो।"

[फा० सं० 10/54/95-एन० आर० आई०]

आर० व्ही० गुप्ता, उप-गवर्नर

NOTIFICATION

Bombay, the 31st October, 1995

NO. F.E.R.A. 170/95-RB

Sale/Transfer of shares/bonds/debentures by OCBs with repatriation rights through Stock Exchange

G.S.R. 8(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (6) of section 19 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973), the Reserve Bank, being of the opinion that it is necessary and expedient in the public interest so to do, with immediate effect amends its Notification No. F.E.R.A. 150/93-RB dated 26th April, 1993 as under :

"In the said Notification—

(i) in the opening paragraph, after the words ".....made by a person, who is a citizen of India or a person of Indian origin and resident outside India" the following words shall be inserted, namely :—

"or an overseas Corporate Body,"

(ii) after the Explanation II, a new Explanation shall be inserted as follows, namely :—

"(iii) The expression 'Overseas Corporate Body' means any overseas company, partnership firm, society and other corporate body predominantly owned directly or indirectly to the extent of at least 60 per cent by NRIs and includes any overseas trust in which not less than 60 per cent beneficial interest is held by NRIs directly or indirectly, but, irrevocably."

[F. No. 10/54/95-NRI]

R.V. GUPTA, Deputy Governor

